प्रेस विज्ञप्ति

आज किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय चिकित्सालय प्रशासन के पास विभिन्न मीडिया मित्र आये जिनके द्वारा यह चिकित्सालय प्रशासन के अधिकारियों को यह अवगत कराया गया कि मरीज बाबू लाल उम्र लगभग 45 वर्ष, निवासी संत कबीर नगर की पत्नी द्वारा किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के यूरोलोजी विभाग में कार्यरत डा0 मनमीत सिंह के ऊपर यह आरोप लगाया गया है कि मेरे पति का ऑपरेशन किसी निजी चिकित्सालय में किया गया।

इस संदर्भ में आप सभी को अवगत कराना है कि मरीज बाबू लाल की पत्नी द्वारा लगाया गया आरोप पूर्णतः असत्य एवं निराधार है उक्त मरीज बाबू लाल किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय की ओ0पी0डी0 में दिनांक 05 दिसम्बर 2017 को पहली बार आये थे मरीज द्वारा बार-बार उल्टी होने तथा पेट में नीचे की तरफ दोनों तरफ दर्द होने की शिकायत थी। मरीज का परीक्षण उस दिन ओ0पी0डी0 में ड्यूटी पर तैनात यूरोलोजी विभाग के चिकित्सक डा0 मनमीत सिंह द्वारा किया गया तथा मरीज के पैथोलोजीकल/रेडियोलोजिकल परीक्षण के उपरांत यह पाया गया कि मरीज के दोनों गुर्दे खराब है तथा दोनों में पथरी है। मरीज की हालत देखते हुए उसे तत्काल यूरोलोजी विभाग में भर्ती कराया गया तथा मरीज की गम्भीर हालत देखते हुए दिनांक 06 दिसम्बर 2017 को डा0 मनमीत सिंह एवं उनकी टीम द्वारा डी0जे0 स्टटिंग की गयी तथा मरीज तथा उसके तीमारदारों को यह बताया गया कि अभी मरीज के हित में जो सर्वश्रेष्ठ उपचार सम्भव हो सकता था वह कर दिया गया है तथा मरीज तथा उसके तीमारदारों को यह अवगत कराते हुए कि मीरज की हालत में सुधार होने के दो सप्ताह के पश्चात् पुनः शल्य क्रिया की जायेगी तथा मरीज को दिनांक 07 दिसम्बर 2017 को चिकित्सालय से छुट्टी दे दी गयी। परन्तु मरीज द्वारा चिकित्सा विश्वविद्यालय में चिकित्सकों की राय के अनुसार पुनः सम्पर्क नहीं किया गया अपितु किसी अन्य निजी संस्थान में अपना ऑपरेशन किसी चिकित्सक से करा लिया गया। निजी चिकित्सालय में ऑपरेशन कराने के पश्चात् मरीज की हालत बिगड़ने लगी तथा निजी चिकित्सालय से केजीएमयू हेतु रेफर कर दिया गया। मरीज के तीमारदार दिनांक 10 फरवरी, 2018 को मरीज को यूरोलोजी विभाग में लेकर आयें, जहां यूरोलोजी विभाग के चिकित्सकों द्वारा मानवीय दृष्टिकोण से मरीज की गम्भीर हालत देखते हुए उसे यूरोलोजी विभाग में भर्ती करते हुए उत्कृष्ट उपचार उपलब्ध कराया गया। मरीज की हालत पहले से ही काफी गम्भीर थी चिकित्सा विश्वविद्यालय के चिकित्सकों के अथक प्रयासों के बावजूद भी मरीज की हालत में सुधार नहीं हों पा रहा था मरीज की गम्भीर हालत को देखते हुए उसे चिकित्सालय प्रशासन द्वारा तत्काल क्रिटीकल केयर विभाग में जीवन रक्षक उपकरणों पर रखा गया तथा चिकित्सकों द्वारा निरंतर मरीज के जीवन की रक्षा करने का हर सम्भव प्रयास किया जा रहा है।

किसी अज्ञात व्यक्ति/अराजक तत्व द्वारा मीडिया मित्रों के मध्य यह अफवाह फैला दी गयी की मरीज बाबू लाल का ऑपरेशन डा0 मनमीत सिंह द्वारा मुख्यालय के बाहर किसी निजी चिकित्सालय में किया गया तथा वहां से मरीज की हालत बिगड़ने पर उसे चिकित्सा विश्वविद्यालय में भर्ती कराया गया है। मरीज की पत्नी जिसकी मानसिक रूप से परेशान है को उकसाकर उससे यह फर्जी बयान दिलाया गया कि डा0 मनमीत सिंह द्वारा उसके पति का ऑपरेशन मुख्यालय से बाहर किसी निजी चिकित्सालय में किया गया है। जो कि पूर्णतः

असत्य एवं निराधार है तथा ईर्ष्या से ग्रसित किसी अराजक तत्व/व्यक्ति विशेष द्वारा डा0 मनमीत सिंह एवं चिकित्सा विश्वविद्यालय को बदनाम करने के प्रयास से किया गया कृत्य मात्र है।

मरीज के नजदीकी तीमारदारों द्वारा इस अफवाह के फैलने के पश्चात् तथा मीडिया मित्रों द्वारा बारम्बार तीमारदारों से पूछताछ करने पर यह लिखित रूप में स्पष्ट रूप से दिया गया है कि मरीज का ऑपरेशन डा0 मनमीत सिंह द्वारा किसी निजी चिकित्सालय में नहीं किया गया है। डा0 मनमीत सिंह द्वारा मरीज का उपचार केजीएमयू में ही किया गया है। सुलभ संदर्भ हेतु तीमारदारों द्वारा लिखित बयान की प्रति संलग्न है।

अतः आप सभी मीडिया मित्रों से यह अनुरोध है कि इस संदर्भ में किसी भी समाचार के प्रकाशन/संचालन से पूर्व उपरोक्त तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए प्रश्नगत प्रकरण की सत्यता के सम्बंध में चिकित्सालय प्रशासन के अधिकारियों से भी तथ्यों की वास्तविकता की पुष्टि अवश्य करा लें जिससे अनायास ही चिकित्सा विश्वविद्यालय के चिकित्सकों एवं चिकित्सा विश्वविद्यालय की छवि को धूमिल होने से बचाया जा सकें।

(प्रो0 नरसिंह वर्मा)
प्रभारी, मीडिया सेल
केजीएमयू, लखनऊ।